नईदुनिया

बिहार का जोगबनी स्टेशन भारत-नेपाल सीमा के पास, सीमावर्ती व्यापार और आवागमन का महत्वपूर्ण केंद्र

देश का आखिरी रेलवे स्टेशन, जहाँ से पैदल पहुंच सकते हैं नेपाल सीमा तक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः भारतीय रेलवे के कई स्टेशन अपनी विशेष पहचान और भौगोलिक स्थिति के कारण चर्चित हैं। बिहार के अररिया जिले में स्थित जोगबनी रेलवे स्टेशन भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जिसे देश के अंतिम रेलवे स्टेशनों में शामिल किया जाता है। भारत-नेपाल सीमा के बेहद करीब स्थित इस स्टेशन से कुछ दूरी तय कर पैदल ही नेपाल की सीमा तक पहुंचा जा सकता है। जोगबनी रेलवे स्टेशन बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है और भारत तथा नेपाल के बीच आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। स्टेशन के आसपास का क्षेत्र दोनों देशों के लोगों की आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। सीमा के नजदीक होने के कारण यहां यात्रियों और स्थानीय लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। जोगबनी से नेपाल के विराटनगर क्षेत्र की दूरी काफी कम है। भारत-नेपाल सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच सामाजिक और व्यापारिक संबंध लंबे समय से जुड़े हुए हैं। सीमावर्ती इलाकों में रोजमर्रा की जरूरतों और व्यापार के लिए भी लोगों का एक-दूसरे देश में आना-जाना होता है। रेलवे स्टेशन की भौगोलिक स्थिति इसे अन्य स्टेशनों से अलग बनाती है। यहां पहुंचने के बाद यात्रियों को यह अनुभव होता है कि भारत की रेल यात्रा का एक महत्वपूर्ण अंतिम पड़ाव सामने है और कुछ ही दूरी पर पड़ोसी देश नेपाल की सीमा शुरू हो जाती है। जोगबनी रेलवे स्टेशन सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के लिए परिवहन का महत्वपूर्ण साधन है। यह स्टेशन बिहार के विभिन्न शहरों को जोड़ने के साथ ही सीमा क्षेत्र तक रेल संपर्क उपलब्ध कराता है। व्यापारिक दृष्टि से भी जोगबनी और आसपास का क्षेत्र महत्वपूर्ण है। भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों के कारण जोगबनी का विशेष महत्व है। सीमा के निकट स्थित होने के कारण यह स्टेशन यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बना रहता है। यहां पहुंचने वाले लोगों को रेल यात्रा के साथ भारत-नेपाल सीमा की अनूठी भौगोलिक स्थिति देखने का अवसर मिलता है।

पंजाब चुनाव से पहले भाजपा और अकाली दल गठबंधन की तैयारी

सितंबर में घोषणा की संभावना, सीट बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत

नईदुनिया ब्यूरो, चंडीगढ़ः पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल के बीच गठबंधन की तैयारी तेज हो गई है। दोनों दलों के बीच गठबंधन तय होने की बात सामने आई है और सितंबर महीने में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

फिलहाल सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा जारी है। भाजपा इस बार अकाली दल की तुलना में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। इसी मुद्दे को लेकर सीट शेयरिंग का अंतिम फैसला होना बाकी है। गठबंधन की रणनीति और चुनावी तैयारियों को लेकर दोनों दलों के बीच बातचीत चल रही है।

भाजपा से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस गठबंधन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। इसी बीच अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच गठबंधन के रोडमैप और चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में सीटों के बंटवारे और आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

रेडियो खराबी के कारण यात्री विमान ट्रंप के हेलिकॉप्टर के करीब पहुंचा था

एटीसी को एक सप्ताह पहले थी तकनीकी समस्या की जानकारी, जांच में सुरक्षा चूक सामने आई

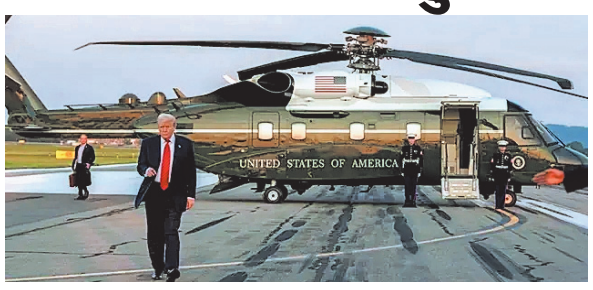

वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर मरीन वन और एक यात्री विमान के बीच हुई नजदीकी घटना की वजह सामने आई है। जांच के अनुसार, रेडियो संपर्क में आई खराबी के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स (एटीसी) को हेलिकॉप्टर की उड़ान से पहले मिलने वाली जरूरी चेतावनी नहीं मिल सकी।

यह घटना 4 अगस्त को हुई थी। उस समय ट्रंप को लेकर मरीन वन व्हाइट हाउस के पास से उड़ान भर रहा था। इसी दौरान रीगन नेशनल एयरपोर्ट से एक यात्री विमान को भी उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई। कुछ समय के लिए हेलिकॉप्टर और विमान काफी करीब आ गए, लेकिन दोनों विमानों के पायलटों की सतर्कता से टकराव टल गया।

जांच में यह भी सामने आया कि एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को रेडियो खराबी की जानकारी घटना से करीब एक सप्ताह पहले ही मिल चुकी थी। इसके बावजूद राष्ट्रपति की सुरक्षा से जुड़ी इस उड़ान के दौरान चूक हुई। जांच के मुताबिक, व्हाइट हाउस में चल रहे निर्माण कार्य के कारण मरीन वन के उड़ान भरने की जगह बदल दी गई थी।

हेलिकॉप्टर ने द एलिप्स क्षेत्र से उड़ान भरी थी। द एलिप्स और रीगन एयरपोर्ट के पास लगे रेडियो रिसीवर के बीच संपर्क ठीक नहीं था, जिससे हेलिकॉप्टर की रेडियो कॉल कंट्रोल टावर तक सही तरीके से नहीं पहुंच सकी। 30 जुलाई को मरीन वन के पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स के बीच हुई बैठक में भी इस समस्या पर चर्चा हुई थी। बैठक में तय किया गया था कि रेडियो संपर्क नहीं होने पर किसी अन्य माध्यम से उड़ान की सूचना दी जाएगी। 4 अगस्त को पायलटों ने जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग के जरिए भी संदेश भेजने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

जांच एजेंसी के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, दोनों विमानों के बीच सबसे कम दूरी करीब 1.3 किलोमीटर रह गई थी। उनकी ऊंचाई में भी केवल 250 फीट का अंतर था। यात्री विमान के टक्कर से बचाने वाले सिस्टम ने चेतावनी दी, वहीं मरीन वन के पायलटों ने भी विमान को देख लिया और समय रहते सावधानी बरती। घटना के बाद एफएए की तकनीकी टीम ने रेडियो सिस्टम की जांच की। इसके बाद रिसीवर को स्थानांतरित कर रीगन एयरपोर्ट के कंट्रोल टावर के ऊपर लगाया गया। परीक्षण में रेडियो संपर्क सही पाया गया। यह घटना जनवरी 2025 में रीगन एयरपोर्ट पर हुए हादसे के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर चर्चा में आई है, जिसमें 67 लोगों की मौत हुई थी।

तमिलनाडु विधानसभा में पहली बार अपनी सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच बैठे मुख्यमंत्री विजय

सदन की कार्यवाही में लिया हिस्सा, अधिकारियों की मौजूदगी को लेकर विपक्ष ने उठाए सवाल

नईदुनिया ब्यूरो, चेन्नईः तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को एक असामान्य दृश्य देखने को मिला। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अपनी निर्धारित सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। विधानसभा के इतिहास में इसे पहली बार बताया जा रहा है, जब किसी मुख्यमंत्री ने अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री के लिए निर्धारित स्थान पर बैठकर सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री विजय सदन के नेता और मंत्री केए सेंगोट्टैयन तथा मंत्री आधव अर्जुन के बीच जाकर बैठे। विधानसभा में मुख्यमंत्री के लिए स्पीकर की सीट के पास अलग स्थान निर्धारित होता है, जबकि मंत्री सामने की कतार में बैठते हैं। सीटों का निर्धारण सामान्य तौर पर वरिष्ठता के आधार पर किया जाता है। हालांकि विधायक और मंत्री कभी-कभी आपसी बातचीत के लिए स्थान बदल लेते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का अपनी निर्धारित सीट छोड़कर मंत्री की सीट पर बैठना सामान्य नहीं माना जाता।

मुख्यमंत्री के सीट बदलने से पहले विधानसभा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के दौरान अधिकारियों की गैरमौजूदगी को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पूछा कि विभागीय सचिव चर्चा के समय सदन में मौजूद क्यों नहीं हैं। उदयनिधि ने करूर भगदड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के सचिव महत्वपूर्ण चर्चाओं के दौरान सदन में मौजूद रहते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र में अधिकारियों की ऐसी उपस्थिति दिखाई नहीं दे रही है। इस पर मंत्री आधव अर्जुन ने कहा कि विभागीय सचिव विधानसभा के पास बने वार रूम में मौजूद थे। वे सदन में विधायकों द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों और उनके भाषणों के नोट्स तैयार कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विजय इससे पहले भी अपने अलग अंदाज को लेकर चर्चा में रहे हैं। 10 मई 2026 को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ब्लैक सूट में ली थी, जबकि तमिलनाडु की राजनीति में आमतौर पर नेता सफेद शर्ट और वेष्टी पहनते हैं।

12 मई को उन्होंने अपने निजी ज्योतिषी रिक्की राधन पंडित को विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया था, जिस पर विवाद हुआ। बाद में उन्होंने नियुक्ति वापस ले ली। 13 मई को उन्होंने विधानसभा में विश्वास मत पेश किया। उनकी पार्टी के अनुसार, इस दौरान विधानसभा की कार्यवाही पूरी तरह लाइव प्रसारित की गई थी। मुख्यमंत्री विजय सचिवालय में भी अपनी अलग कार्यशैली को लेकर चर्चा में रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वे तय समय पर पहुंचते हैं और लंबे समय तक अपने कार्यालय में काम करते हैं।

मेडिकल कॉलेज में एक माह में 75 से ज्यादा नवजातों की मौत, एक दिन में 10 बच्चों की मौत के बाद जांच शुरू

नईदुनिया ब्यूरो, मालदाः पश्चिम बंगाल के मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में अगस्त महीने में नवजातों की मौत का आंकड़ा 75 के पार पहुंच गया है। एक दिन में 10 नवजातों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रबंधन ने इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट भेजी है। वहीं जिला प्रशासन ने भी अलग से रिपोर्ट मांगी है। गुरुवार को अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। प्रशासन यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि एक महीने में नवजातों की मौत का आंकड़ा इतना अधिक कैसे पहुंचा। अस्पताल प्रबंधन की ओर से बैठक में कुछ बिंदु रखे गए हैं, जिन्हें विस्तृत रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। नवजातों की मौत रोकने के लिए नई गाइडलाइन तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। जांच के दौरान भर्ती होने के बाद बच्चों के इलाज की प्रक्रिया, उनकी स्वास्थ्य स्थिति और उपचार में किसी स्तर पर कमी की भी जांच की जाएगी। मौतों के पीछे चिकित्सकीय कारणों के अलावा अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल की जाएगी। अस्पताल के अनुसार, एक दिन में हुई 10 नवजातों की मौत में आठ बच्चे दूसरे अस्पतालों और नर्सिंग होम से रेफर होकर आए थे। मालदा मेडिकल कॉलेज में आसपास के जिलों के अलावा बिहार और झारखंड से भी गंभीर स्थिति वाले नवजातों को इलाज के लिए भेजा जाता है।

मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत डॉ. प्रसेनजीत कुमार बार ने बताया कि सभी बच्चों का इलाज शिशु गहन चिकित्सा कक्ष में किया गया था, लेकिन उनकी स्थिति बेहद गंभीर थी और उन्हें बचाया नहीं जा सका। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन अब मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

पानीपत टोल प्लाजा के पास द ग्रेट खली की कार दुर्घटनाग्रस्त

नईदुनिया ब्यूरो, पानीपतः प्रसिद्ध रेसलर और अभिनेता द ग्रेट खली की गाड़ी शुक्रवार को पानीपत टोल प्लाजा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब वह पंजाब से हरियाणा के सोनीपत जा रहे थे। दुर्घटना के बाद खली के प्रशंसकों में चिंता फैल गई, हालांकि वह सुरक्षित बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, द ग्रेट खली पंजाब से सोनीपत की ओर यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान पानीपत टोल प्लाजा के पास उनकी गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने स्थिति का जायजा लिया। हादसे में वाहन को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है।

रक्षाबंधन पर बाबा रामदेव ने कंगना रनोट को भेजी मिठाई और उपहार

विवाद खत्म करने की अपील, कंगना ने कहा- त्योहार पर भूल-चूक माफ

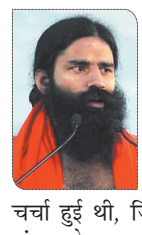

नईदुनिया ब्यूरो, हरिद्वारः रक्षाबंधन के अवसर पर योग गुरु बाबा रामदेव ने अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट के लिए मिठाई और उपहार भेजे। उन्होंने एक लिफाफे में 500 रुपये के नोटों की गड्डी भी भेजी। इस दौरान बाबा रामदेव ने कहा कि रिश्तों में मिठास बनी रहनी चाहिए और पुराने गिले-शिकवे भुलाकर प्रेम के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा कि देश में किसी भी कारण से लोगों के बीच नफरत और वैर भाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उनके और कंगना रनोट के बीच विवाद की चर्चा हुई थी, जिसे बातचीत और संवाद के माध्यम से खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह कंगना को फोन कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भी देंगे।

इसके बाद कंगना रनोट ने अपने सामाजिक माध्यम अकाउंट पर बाबा रामदेव का वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा कि त्योहार का दिन भूल-चूक माफ करने के लिए होता है। कंगना ने कहा कि बाबा रामदेव ने अच्छी बात कही है कि विवाद नहीं, बल्कि संवाद होना चाहिए। कंगना ने रक्षाबंधन के अवसर पर बाबा रामदेव की भेजी मिठाई और बड़े भाई के प्रेम को स्वीकार करने की बात कही। उन्होंने इसके लिए धन्यवाद दिया और ईश्वर से बाबा रामदेव के लंबे जीवन की कामना की। रक्षाबंधन के मौके पर दोनों के बीच सामने आई इस पहल को रिश्तों में सुधार के रूप में देखा जा रहा है। बाबा रामदेव ने भी प्रेम और आपसी संवाद के माध्यम से मतभेद दूर करने का संदेश दिया।

राखी सावंत उमराह के लिए मक्का पहुंचीं, बुर्के में नजर आईं

मक्का, एजेंसीः अभिनेत्री राखी सावंत एक बार फिर उमराह करने के लिए मक्का पहुंची हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर वह धार्मिक यात्रा पर गईं और बुर्के में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने इबादत करते हुए देश और युवाओं के लिए दुआ मांगी। राखी सावंत ने मक्का से जुड़े एक वीडियो में भावुक होकर अल्लाह से प्रार्थना की। उन्होंने जेन-जी यानी नई पीढ़ी के युवाओं के लिए नौकरी और बेहतर भविष्य की दुआ मांगी। वीडियो में वह रोती हुई दिखाई दीं और देश के लिए भी दुआ करती नजर आईं। राखी सावंत इससे पहले भी उमराह यात्रा कर चुकी हैं। उन्होंने इस बार भी मक्का पहुंचकर धार्मिक रस्में पूरी कीं।

बदलाव *कनाडा ने ट्रम्प के फैसले को मानने से किया इन्कार, कहा- झील का नाम लेक ओंटारियो ही रहेगा...*

ट्रम्प ने कनाडा की झील लेक ओंटारियो का नाम बदलकर किया 'लेक अमेरिका'

वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। आदेश के अनुसार 30 दिनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इसके बाद अमेरिका के सरकारी नक्शों तथा रिकॉर्ड में झील के लिए नए नाम का इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रम्प ने इस फैसले की तुलना मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' करने से की। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका के पास एक खाड़ी और एक झील है। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि भविष्य में अटलांटिक या प्रशांत महासागर के नाम बदलने के बारे में भी सोचा जा सकता है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका नाम बदल सकता है, लेकिन कनाडाई जानते हैं कि वास्तविक नाम लेक ओंटारियो ही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कनाडा इस झील को पहले की तरह लेक ओंटारियो के नाम से ही संबोधित करता रहेगा। लेक ओंटारियो अमेरिका और कनाडा के बीच स्थित पांच बड़ी झीलों में से एक है। इसके एक ओर अमेरिका का न्यूयॉर्क राज्य और दूसरी ओर कनाडा का ओंटारियो प्रांत स्थित है। दोनों देशों की सीमा भी इस झील से होकर गुजरती है। ट्रम्प ने अपने आदेश में कहा कि लेक ओंटारियो अमेरिका की अर्थव्यवस्था और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि यह व्यापार, जहाजरानी, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों के लिए अहम है। ट्रम्प के अनुसार, ग्रेट लेक्स के संरक्षण के लिए अमेरिका ने पिछले दस वर्षों में करीब चार अरब डॉलर खर्च किए हैं। ट्रम्प ने 25 अगस्त को पहली बार झील का नाम बदलने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक संबंधों को देखते हुए इस बदलाव पर विचार किया जा रहा है। इसके दो दिन बाद उन्होंने इसे आधिकारिक रूप देने के लिए आदेश जारी कर दिया।

यह फैसला अमेरिका और कनाडा के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच आया है। हाल ही में अमेरिका ने कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का फैसला किया था। इसके जवाब में कनाडा ने भी अमेरिकी सामान पर समान स्तर का टैरिफ लगाने की घोषणा की।

लेक ओंटारियो का नाम यूरोपीय लोगों के अमेरिका पहुंचने से पहले से चला आ रहा है। यह नाम ह्यूरॉन समुदाय की भाषा के एक शब्द से निकला है, जिसका अर्थ चमकते पानी की झील बताया जाता है। बाद में कनाडा के ओंटारियो प्रांत का नाम भी इसी झील के नाम पर रखा गया। अमेरिकी सरकार अपने दस्तावेजों और नक्शों में किसी स्थान का नाम बदल सकती है, लेकिन अन्य देशों को इसे स्वीकार करना जरूरी नहीं है। झील का नाम बदलने से इसके स्वामित्व या सीमा में कोई बदलाव नहीं होगा। कनाडा अपने रिकॉर्ड में लेक ओंटारियो नाम का ही इस्तेमाल जारी रख सकता है। ट्रम्प इससे पहले जनवरी 2025 में मैक्सिको की खाड़ी का नाम अमेरिकी सरकारी इस्तेमाल के लिए 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करने का आदेश दे चुके हैं। हालांकि मैक्सिको ने इस बदलाव को स्वीकार नहीं किया था।